

विश्व न्याय मन्दिर

31 अक्टूबर 2017

विश्व के बहाईयों को

परमप्रिय मित्रों,

सभी महाद्वीपों से लगातार रिपोर्ट धाराप्रवाह रूप से मिल रहे हैं परन्तु अपने असीम आनन्द के बारे में आपको बताने के लिए हम और अधिक इंतजार नहीं करेंगे। 'उनके' द्विशताब्दी जन्मोत्सव पर पूरे विश्व में बहाउल्लाह के प्रति प्रेम और श्रद्धा का जो प्रवाह फूट पड़ा है उससे हम अत्यंत भावुक हो उठे हैं। उनके जीवन का समारोह अत्यधिक भक्ति-भावना और उल्लेखनीय रचनात्मकता के साथ हर तरह की पृष्ठभूमियों में, घरों से लेकर स्टेडियम जैसी जगहों तक, मनाया गया। कई सम्मिलनों में तो अतिथियों की संख्या बहाईयों से भी कई गुणा ज्यादा थी। कुछ द्वीप-देशों में भागीदारी का आकलन सभी निवासियों के समानुपात में किया जा सकता है। सचमुच, बहाउल्लाह ने अपनी कृपा का जो सैलाब उमड़ाया है उसे देखकर हम अपना विस्मय स्वीकार करते हैं। और हम यह भी मानते हैं कि उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के हर मूल्यवान प्रयास में, प्रत्येक धर्मानुयायी द्वारा अपना पूरा योगदान देने का प्रयास किया गया। यह सबकुछ जो घटित हुआ है उसे देखते हुए, हम जानते हैं कि आपमें से हर व्यक्ति अपने-अपने स्थान में प्रभुधर्म की इस प्रगति के अभिप्राय पर विचार-विमर्श करना चाहेगा। हम आपसे आग्रह करते हैं कि उस प्रत्येक व्यक्ति को जिसने आपके आमंत्रण का उत्तर दिया, आप समुदाय-निर्माण प्रक्रिया के एक संभाव्य नायक के रूप में देखें। अनेक लोगों को एकसाथ इस पथ पर चलने की क्षमता प्राप्त हो सके, इसके लिए परिस्थितियां कैसे तैयार की जा सकती हैं इसके बारे में सोचें। 'प्रकटीकरण' की रूपांतरकारी शक्ति से जुड़कर, प्रत्येक व्यक्ति बहाउल्लाह के और अधिक निकट आ सकता है, अपनी क्षमता का विकास कर सकता है, सेवा में आनन्द प्राप्त कर सकता है, और दूसरों की सहायता करना सीख सकता है। आपने जो शानदार प्रयास किए हैं उनके परिणाम अपार संभावनाओं के द्वार खोलते हैं – लेकिन उन संभावनाओं को साकार करने के लिए दृढ़ता की जरूरत होगी। इस अवधि में जो शक्तियां निर्गत हुई हैं उन्हें इस द्विशताब्दी वर्ष की शेष अवधि में और, वस्तुतः दिव्यात्मा बाब के दो सौवें जन्मोत्सव की ओर अग्रसर सभी आठ चक्रों के माध्यम से, आपके व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों को और गतिशीलता प्रदान करने दें। अपनी प्रबल अपेक्षाओं के साथ और आपकी ओर से दिव्य कृपाओं की याचना से भरे हृदय से, हम 'पुरातन सौन्दर्य' की स्तुति करते हैं 'जिन्होंने' इन दिनों में आत्मा को मुग्ध कर देने वाली अपनी महिमा की एक नई झलक दिखाने का वरण किया है।

-विश्व न्याय मन्दिर